. Viplav Gayan

कविता के मूलभाव को ध्यान में रखते हुए बताइए कि इसका शीर्षक ‘विप्लव-गायन’ क्यों रखा गया होगा?

उत्तर

कविता का मूल भाव है गलत रीति-रिवाजों, रूढ़िवादी विचारों व परस्पर भेदभाव त्यागकर नवनिर्माण के लिए जनता को प्रेरित करना। इसीलिए इस कविता का शीर्षक ‘विप्लव-गायन’ रखा गया है जिसका अर्थ है क्रांति के लिए आह्वान करना।

(ख) कवि अन्य कवियों से क्या आह्वान करता है?
उत्तर-
क्रांतिकारी गीत की रचना के लिए आह्वान करता है।

(ग) क्रांति लाने के लिए कवि किसका सहारा लेता है?
उत्तर-
क्रांति लाने के लिए कवि गीत का सहारा लेता है।

(घ) कवि के कंठ से निकले गीत का क्या प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर-
कवि के कंठ से निकले गीत जीर्ण-शीर्ण विचारधाराओं और रुढ़िवादी विचारों का नाश हो जाएगा।

**लघु उत्तरीय प्रश्न**

(क) कवि कैसी तान सुनाना चाहते हैं?
उत्तर-
कवि ऐसी तान सुनाना चाहते हैं जिससे चारों तरफ़ हलचल मच जाए।

(ख) कवि विप्लव गान क्यों गाना चाहता है?
उत्तर-
कवि का मानना है कि विप्लव गान द्वारा ही वह लोगों को समाज के नवनिर्माण के लिए जाग्रत कर सकता है, क्योंकि सुंदर राष्ट्र की नींव पुराने, गले-सड़े रीति-रिवाजों व रूढ़िवादी विचारों पर नहीं रखा जा सकता।

ग) कविता में कालकूट फणि की चिंतामणि शब्दों का अर्थ क्या है?
उत्तर-
विष से परिपूर्ण शेषनाग को अपनी सबसे प्रिय मणि की चिंता हरदम रहती है, वैसे ही कवि चाहता है कि प्रत्येक मनुष्य के मन में नवनिर्माण की चिंता जाग्रत कर सके।

उत्तर-

कवि के अनुसार, कवि विप्लव के माध्यम से परिवर्तन की हिलोर लाना चाहता है। इस कविता का भाव है जीवन का रहस्य है। विकास और गतिशीलता में रुकावट पैदा करने वाली प्रवृत्ति से संघर्ष करके नया निर्माण करना। नव-

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

क) कवि के अनुसार जीवन का रहस्य क्या है?

निर्माण के लिए कवि विध्वंस और महानाश को आवश्यक मानता है। यह विनाश सदियों से चली आ रही रुढ़िवादी मानसिकता, जड़ता तथा अंधविश्वास को काटकर दूर फेंक देगा। सारी रुकावट समाप्त कर नए सृजन तथा नए राष्ट्र को निर्माण का रास्ता साफ़ हो जाएगा। इसके लिए कवि द्वारा एक क्रांति की चिंगारी जलाने की जरूरत है।

मूल्यपरक प्रश्न

(क) क्या आप क्रांति के समर्थक हैं? क्या क्रांति के द्वारा समाज में व्याप्त अव्यवस्था को दूर किया जा सकता है? कैसे तर्क सहित उत्तर लिखिए।

उत्तर-

हाँ, मैं समाज में कुरीतियों को दूर करने के लिए क्रांति का समर्थक हूँ। लेकिन जब तक इस समाज में क्रांति की आवश्यकता बनी हुई है तब तक मैं क्रांति का बिगुल बजाता रहता हूँ। लक्ष्य पाने के बाद क्रांति की आवश्यकता होती है। हम ऐसी क्रांति का समर्थन करते हैं।

**बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर**
(क) कवि अपनी कविता के माध्यम से आह्वान कर रहा है
(i) स्वतंत्रता सेनानियों
(ii) देशवासियों से
(iii) नवयुवकों से
(iv) सेना से।

(ख) ‘उथल-पुथल मचने’ से कवि का क्या अभिप्राय है?
(i) विद्रोह का होना
(ii) क्रांति का आगमन होना
(iii) आँधी का आना
(iv) समाज में परिवर्तन का होना।

(ग) कवि देशवासियों को कैसी तान सुनाना चाहता है?
(i) प्राचीन परंपराओं को समाप्त करने की
(ii) परिवर्तन एवं नवनिर्माण करना
(iii) बदलाव की
(iv) उपर्युक्त सभी।

घ) इस कविता के रचयिता कौन हैं?
(i) रामधारी सिंह दिनकर
(ii) बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’।
(iii) सुमित्रानंदन पंत
(iv) सूर्यकांत त्रिपाठी “निराला’।

(ङ) कवि कैसा गीत नहीं लिख पा रहा है
(i) रुद्र गीत
(ii) क्रांति गीत
(iii) मारक गीत
(iv) प्रेम गीत।

च) कवि की वीणा में कैसी चिनगारियाँ आ बैठी हैं?
(i) शांति की
(ii) भ्रांति की
(iii) क्रांति की
(iv) उपर्युक्त सभी।

(छ) यह गीत कैसा गीत है?
(i) वीरतापूर्ण
(ii) ओजस्वी
(iii) रौद्र
(iv) हास्य।

उत्तर
(क) (iii)
(ख) (ii)
(ग) (iv)
(घ) (ii)
(ङ) (iii)
(च) (iii)
(छ) (ii)